कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures) [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]

(In Words) ....

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में ....

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी [ ] अंग्रेजी [ ]

विषय संस्कृत साहित्य

परीक्षा का दिन गुरुवार

दिनांक 28/3/19

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

संकेतांक [ ][ ][ ][ ][ ]

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 165/2019

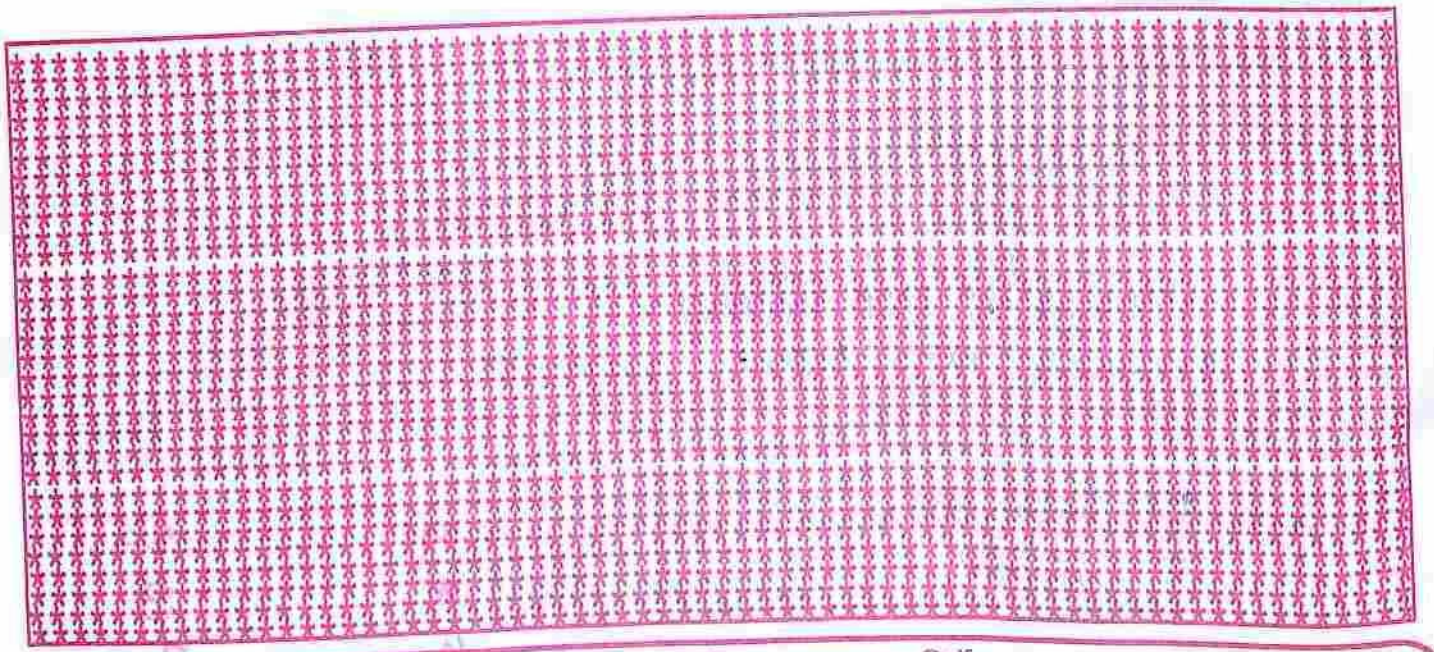

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1. उत्तर	(क) अमृतं ।
		(ख) सुभाषितं बालादपि ग्रहणीयम् ।
		(ग) 'स्वर्णम्' इत्यस्य पर्यायं 'काञ्चनम्' अस्ति ।
		(घ) 'मित्रम्' इत्यस्य विलोमपदं 'अमित्रम्' अस्ति ।
	2. उत्तर	(क) मानवाः ।
		(ख) शक्तिद्वारैव सर्वं कर्तुं शक्यते ।
		(ग) 'माताऽपि तनयं रोदनं विना न स्तन्यं पाययति'। इत्यत्र 'पाययति' इति क्रियायाः कर्ता 'माता' अस्ति।
		(घ) 'यावान् शक्तिमान्' इत्यत्र विशेषणपदं 'यावान्' अस्ति।
	3. उत्तर	(क) ~~[illegible]~~ रामः ।
		(ख) जाने पुनः प्रत्यागतमिव जीवितं त्रैलोक्यस्य ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		(ग) 'शीघ्रम्' इत्यस्य पर्यायपदं 'प्रत्यागत' अस्ति।
		(घ) 'परिचितः स्पर्शः' इत्यत्र विशेष्यपदं 'स्पर्शः' अस्ति
	4. उत्तर	(क) अपरिणामोपशमो दारुणो कः।
		(ख) चारुदत्तस्य केन सह संवादः भवति
		(ग) संस्कृत साहित्ये 'बृहत्त्रयी' इति नाम्ना कति महाकाव्यानि सन्ति।
	5. उत्तर	(क) अल्पानामपि वस्तूनां संहतिः कार्यसाधिका।
		भावार्थ ⇒ उपर्युक्त पंक्ति का भावार्थ है कि ज्यादा की इच्छा रखना उचित नहीं है। ज्यादा की इच्छा रखने से ही कार्य सिद्ध नहीं होते हैं किसी वस्तु की ज्यादा इच्छा रखना उसकी मूर्खता को सिद्ध करता है। अतः हमें ज्यादा वस्तु की इच्छा नहीं करनी चाहिए। बल्कि बुद्धि बल के आधार पर थोड़ी सी वस्तु से भी कार्य को सिद्ध किया जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(ख) स यत्प्रमाणं कुरुते लोकस्तदनुवर्तते ।

भावार्थ ⇒
पंक्ति का भावार्थ है कि राजा लोग या बड़े लोग जैसा व्यवहार छोटों के सामने प्रदर्शित करते हैं वैसा ही व्यवहार छोटे लोग करते हैं। उसी प्रकार छोटे लोग राजा या बड़े लोगों का अनुसरण करते हैं। अतः हमें कभी-भी छोटों के सामने गलत व्यवहार प्रदर्शित नहीं करना चाहिए और न ही अपने स्वाभिमान को गिराना चाहिए। अतः हमें सद्‌व्यवहार करना चाहिए ।

6. उत्तर

अन्वयः ⇒
माता गुरुतरा भूमेः खात् पितोच्चतरस्तथा, मनः शीघ्रतरं वातात् चिन्ता बहुतरी तृणात् ॥

हिन्दी अर्थ ⇒
इस श्लोक का अर्थ है कि माता मातृभूमि से भी श्रेष्ठ होती है, पिता आसमान से भी ऊंचा होता है। मन वायु से भी शीघ्र चलता है, और तिनकों से हल्का कुछ नहीं है।

7. उत्तर (क) उपासते → पूजा करना ।

(ख) अपरम् → दूसरा ।

परीक्षार्थी उत्तर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	8. उत्तर	'भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति।' इत्यत्र भवन्ति इति क्रियायाः कर्ता 'धनानि' अस्ति। ।
	9. उत्तर	'सा विरहिणी हिमालयस्थितायां अलकापुर्यां निवसति' इत्यत्र हिमालयस्थितायां इति पदस्य विशेष्यं 'अलकापुर्यां' अस्ति।
	10. उत्तर	'अहं समाधिं निवर्तयामि' इत्यत्र अहं सर्वनामस्थाने
	11. उत्तर	'अधुना वृद्धाश्रमे स्व मातरं प्रेष्य निश्चिन्ततायाः अनुभवः क्रियेत'। इति वाक्यं त्रिलोचनः स्व पत्न्या इन्दुमतिं कथयति
	12. उत्तर	'न हिंसनं भवेत् क्वचित्' इत्यत्र विलोमपदं 'अहिंसा' अस्ति।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

13. उत्तर नाहम् अन्येन हतं सत्वं कदाचिदपि भक्षयामि। इत्यत्र अहम् इति कर्तृपदस्य क्रियापदं 'भक्षयामि' आस्ति।

14.

15. उत्तर मुद्राराक्षसम् नाटके स्त्रीपात्राणां पूर्णतया अभावः। इदं नाटकं सप्त अङ्केषु विभक्तः आस्ति।

17. उत्तर (क) संस्कृतस्य प्रथमः ऐतिहासिकः उपन्यासः ~~'[illegible]'~~ "शिवराजविजयम्" अस्ति।

(ख) 'ईश्वर विलासः' इति महाकाव्यस्य रचनाकारः "सीताराम भट्ट पर्वणीकरः अस्ति।

(ग) पं. गिरिधरशर्मणा रचिताया:

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

18. उत्तर

(ख) द्रुतविलम्बितम् छन्दः ⇒

लक्षण: ⇒ "द्रुतविलम्बितम् नभौ भरौ ।"

उदाहरण ⇒

इतर पाप फलानि यादृच्छया ।
वितर तानि सहे चतुरानन ॥

19. उत्तर

~~(ख) मम विरहजां न त्वं वत्से शुचं गणयिष्यसि~~

~~छन्दः ⇒ मन्दाक्रान्ता छन्दः ।~~

19. उत्तर

(क) क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम् ।

छन्दः ⇒ शार्दूलविक्रीडितम् छन्दः ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	20. उत्तर	(क) श्लेष: अलंकार ⇒
		लक्षण ⇒ " श्लिष्टै: पदैरनेकार्थाभिधाने श्लेष: इष्यते ।"
		उदा. ⇒ प्रतिकूल तामुपगते हि विधौ विफलत्वमेति बहुसाधनता ॥
	21. उत्तर	(ख) संसार विषवृक्षस्य द्वे एव रसवत् फले ।
		अलंकार ⇒ रूपक अलंकार
		लक्षण: ⇒ " तद् रूपकं अभेदो: य: उपमानोपमेय: "
	22. उत्तर	(क) भगवान् ~~महावीरो~~ महावीर: ।
		(ख) अस्यां मेलायां जैन धर्मावलम्बीनां साधूनां समवायोऽपि भवति ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ग) 'प्राचीन प्रतिमा' इत्यत्र विशेषणपदं 'प्राचीन' अस्ति।

(घ) 'जनाः अपि श्रद्धया मेलायां संगताः भवन्ति' इत्यत्र कर्तृपदं 'जनाः' अस्ति।

6

23. उत्तर

(क) सद्गुणास्तु ।

(ख) अनेन जायते यत् श्रद्धया विनयेन गुरूणाम् अभिवादनेन च नरः सर्वत्र सिद्धिं समाधिं गच्छति।

(ग) 'बालकाः विद्यालयेषु अभिवादयन्ति' इत्यत्र क्रियापदं 'अभिवादयन्ति' अस्ति।

(घ) साम्प्रतं परिवारेषु सद्गुणानां संरक्षणं शिक्षणम् आवश्यकम् अस्ति।

26. उत्तर (क) पावकः

पौ + अकः

1

सूत्र → 'एचोऽयवायावः'

1

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ख) विष्णोऽव
विष्णु + अव

सूत्र → 'एङ पदान्तादति ।'

27. उत्तर (क) होतृ + ऋकार:

होतॄकार:

सूत्र: → अक: सवर्णे दीर्घ: ।

(ख) गगन + ऊर्ध्वम्

गगनोर्ध्वम्

सूत्र → "आद् गुण: ।"

28. उत्तर (क) सुरेश: शय्याम् अधिशेते ।

विभक्ति → द्वितीया विभक्ति

सूत्र: → अधीशीङ्स्थाऽसां कर्म

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		(ख) जटाभिः तापसः प्रतीयते ।
		विभक्ति → तृतीया विभक्ति
		सूत्रः → "इत्थमभूतलक्षणे ।"
		(ग) अन्नस्य हेतोः वसति ।
		विभक्ति → षष्ठी विभक्ति
		सूत्र : → "षष्ठी हेतोः प्रयोगे"
		(घ) कटे आस्ते ।
		विभक्ति → ~~सप्तमी~~ सप्तमी विभक्ति
		सूत्र →
	29. उत्तर	
		(क) अनुरूपम् → रूपस्य योग्यम् ।
		समास → अव्ययीभाव

परीक्षक द्वारा | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

(ख) कुपुरुषः → कुत्सितः चासौ पुरुषः ।

समास → कर्मधारय समास ।

30. उत्तर

(क) चौरात् भयम् → चौराभयम्

समास → तत्पुरुष समास

(ख) दश आननानि यस्य सः → दशाननः

समास → बहुव्रीहि समास

25. उत्तर

सतां सज्जनानां वा संगति सत्संगति कथ्यते । सत्सङ्गत्या मानवः सर्वत्र यशः सुखं च प्राप्नोति । मानवः यादृशैः जनाः संगति करोति सः तादृशः एव भवति। सज्जनैः सह संगत्या सज्जनः तथा दुर्जनैः सह संगत्या मूर्खः जायते । सत्संङ्गत्या मानवः पवित्रः भवति । बुद्धिः निपुणः जायते । सः जीवनं उन्नतिं प्राप्नोति । दुर्जनैः संगत्या सर्वत्र विनाशः भवति । सत्संगत्या मानवः कीर्ति

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
		अलभत् । अतः सत्सङ्गत्या सर्व श्रेष्ठः अस्ति ।
	25. उत्तर	(क) अहम् असत्यं न वदामि ।
		(ख) छात्राः विद्यालयं क्रीडन्ति ।
		(घ) विद्यालयं परितः वृक्षाः सन्ति ।
		(ज) राज्ञः सह सेनापतिः चलत् ।
		(च) सः ह्यः जयपुरे गच्छत् ।
	14. उत्तर	संस्कृते साहित्ये षष्ठः वेदांगाः सन्ति –
		(i) कल्प
		(ii) शिक्षा
		(iii) निरुक्त
		(iv) व्याकरण
		(v)
		(vi)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	16. उत्तर	कादम्बर्यां निबद्धा कथा ~~[illegible]~~
		शुकनाशः चन्द्रापीडः गुरुः आसीत् ।

समाप्तः

BSER-165/2019